भारतीय पारंपरिक ज्ञान पत्रिका
खंड 25(9), सितम्बर 2026, पृ. 862-869
DOI: 10.56042/ijtk.v25i9.18789

पंचवल्कल क्वाथ चूर्ण (एक आयुर्वेदिक फ़ॉर्मूलेशन) के फ़ाइटो-फ़ार्माकोग्नोस्टिक गुणवत्ता मानक तय करना और एच.पी.टी.एल.सीमार्कर-आधारित विश्लेषण करना

सीएच वेंकट नरसिम्हाजी[क], सुमन मंडल[ख], राजेश बोल्लेड्डू[क,ग,*], याशिका गांधी[ग], दत्तात्रेय दिघे[घ], सुभोसे वाराणसी[क], मानोसी दास[क], दास देबज्योति[क], ए.के.मीना[ङ], गज्जी बाबू[क], रवींद्र सिंह[ग], नारायणम श्रीकांत[ङ] एवं रबीनारायण आचार्य[ङ]

[क]केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, सी.सी.आर.ए.एस., आयुष मंत्रालय, कोलकाता 700 091, पश्चिम बंगाल, भारत
[ख]कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, सी.सी.आर.ए.एस., आयुष मंत्रालय, चेन्नई 600106, तमिलनाडु, भारत
[ग]केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, सी.सी.आर.ए.एस., आयुष मंत्रालय, झांसी 284003, उत्तर प्रदेश, भारत
[घ]केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, सी.सी.आर.ए.एस., आयुष मंत्रालय, मुंबई 400 018, महाराष्ट्र, भारत
[ङ]केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् ,आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली 110 058, भारत
[*]ई-मेल: rajesh_bolleddu@rediffmail.com

प्राप्त 02 मई 2025; संशोधित 16 अगस्त 2026; स्वीकृत 14 सितम्बर 2026

पंचवल्कल क्वाथ चूर्ण (PKC) एक पारंपरिक आयुर्वेदिक पॉली-हर्बल फ़ॉर्मूलेशन है जिसका ज़िक्र क्लासिकल आयुर्वेदिक ग्रंथों में मिलता है। इसका इस्तेमाल महिलाओं से जुड़ी कई बीमारियों, जैसे गर्भाशय की बीमारियां, सर्वाइकल इरोशन, ल्यूकोरिया आदि के इलाज के लिए किया जाता है। इस स्टडी का मकसद एक व्यापक क्वालिटी कंट्रोल एनालिसिस के ज़रिए पंचवल्कल क्वाथ चूर्ण के लिए क्वालिटी स्टैंडर्ड तय करना था। इस एनालिसिस में तय प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मैक्रो-माइक्रोस्कोपिक स्टडी, इसके मार्कर का क्वालिटेटिव और क्वांटिटेटिव असेसमेंट, एफ्लाटॉक्सिन टेस्टिंग, माइक्रोबियल लोड असेसमेंट और एलिमेंटल एनालिसिस शामिल थे। हाई-परफॉर्मेंस थिन लेयर क्रोमैटोग्राफी (HPTLC) एनालिसिस से पता चला कि पंचवल्कल क्वाथ चूर्ण में कैफिक एसिड और गॉसिपोल जैसे फाइटोकेमिकल मार्कर कंपाउंड मौजूद हैं। क्वांटिटेटिव HPTLC एनालिसिस में कैफिक एसिड और गॉसिपोल की मात्रा मापी गई (मोबाइल फ़ेज़-पानी:एसिटिक एसिड: *n*-ब्यूटेनॉल-1:2:7 v/v/v), जिससे क्रमशः 0.06941% और 1.186% कंसंट्रेशन का पता चला। इसे दुनिया भर में इस्तेमाल के लायक बनाने के लिए, पंचवल्कल क्वाथ चूर्ण को स्टैंडर्डाइज़ेशन, सुरक्षा और असर से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए नए वैज्ञानिक तरीकों से जोड़ा जा रहा है। पंचवल्कल क्वाथ चूर्ण के लिए बनाए गए क्वालिटी पैरामीटर आयुर्वेदिक डॉक्टरों और इससे जुड़े लोगों के लिए क्वालिटी कंट्रोल का एक कीमती ज़रिया बन सकते हैं।

मुख्य शब्द: गॉसिपोल, एच.पी.टी.एल.सी, पंचवल्कल क्वाथ चूर्ण, पाउडर माइक्रोस्कोपी